[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr.no. of Paper : 15206

Your Roll Number.....
आपका अनुक्रमांक .....

Sr. No. of Question Paper:

Name of the Course	:	ITEP	**L**
Unique Paper Code	:	2132102403	
Name of the Paper	:	Indian Epigraphy-II	
Semester	:	IV, 2025-2026	

Duration: 3 Hours

Maximum Marks: 90

Important Instructions/ महत्वपूर्ण निर्देश:

- Write your Roll No. on the top immediately on the receipt of the question paper
  इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए
- Answers may be written either in Sanskrit, Hindi or English, but the same medium should be followed throughout the paper.
  उत्तर संस्कृत, हिंदी या अंग्रेजी में लिखे जा सकते हैं, लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Answer all the questions.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का सप्रसंग अनुवाद कीजिए। 9 x 2=18
   Translate any two of the following, with reference to the context.

   (i) नानाहेविशताभिघातपत्तिभ्रान्ताश्वपत्तिद्विपे
   नृत्यद् भीमकबन्धखड्गकिरणज्वालासहस्रे रणे ।
   लक्ष्मीर्मावितचापलापि च कृता शौर्येण येनात्मसा-
   द्राजा सीज्जयसिंहवल्लभ इति ख्यातवलुक्यान्वयः ॥

   (ii) लीलामन्दिर सोदरेषु भवतु स्वान्तेषु वामभ्रुवाम्
   शत्रूणां तु न विप्रद्दक्षितिपते न्याय्योऽत्र वासस्तत्र ।
   शङ्का वा पुरुषोत्तमस्य भवतो नास्त्येव वार्य निधे-
   निर्मर्ध्यापहृतश्रियः किमु भवान् क्रोडे न निद्रापितः ॥

(iii) प्राप्तेन स्व-भुजार्जितंच सुचिरंचैकाधिराज्यं क्षितो
चन्द्रास्वेन समग्रचन्द्र-सदृशीं वक्त्र-श्रियं विभ्रता ।
तेनायं प्रणिधाय भूमि-पतिना भावेन विर्णो मतिं
प्रान्शुर्विष्णुपदे गिरौ भगवतो विष्णोर्ध्वजः स्थापितः ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए। 9 x 2=18
Translate any two of the following.

(i) यस्योद्वर्त्तयतः प्रतीपमुरसा शत्रून्समेत्यागतान्वंगेष्वाव-
वर्त्तिनो (S) भिलिखिता खड्गेन कीर्त्तिर्भुजे ।
तीर्वा सप्त मुखानि येन समरे सिन्धोर्जिता वाहिका
यस्याद्याप्यधिवास्यते जलनिधिर्वीर्य्यानिलैर्दक्षिणः ॥

(ii) महाक्षत्रपेण रुद्रदाम्ना वर्षसहस्राय गोब्राह्मण..... र्थं धर्मकीर्तिवृद्धयर्थ चापीडयित्वा
करविष्टिप्रणयक्रियाभिः पौरजानपदं जनं स्वस्मात्कोशान्महता धनौघेनानतिमहता च कालेन
त्रिगुणदृढतरविस्तारायामं सेतुं विधाय.....[सु]दर्शनतरं कारितमिति ।
अस्मिन्नर्थे महाक्षत्रपस्य मतिसचिवकर्मसचिवैरमात्यगुणसमुद्यक्तै
रप्यतिमहत्त्वाद्भदस्यानुत्साहविमुखमतिभिः प्रख्यातारम्भं पुनःसेतुवन्ध-नैराश्याद्धाहाभूतासु
प्रजास्विहाधिष्ठाने पौरजानपद्द्धनानुग्रहार्थं पार्थिवेन कृत्स्नानामानर्तसुराष्ट्राणां पालनार्थं नियुक्तेन
पह्लवेन कुलैपपुत्रेणामात्येन सुविशाखेन

(iii) यत्त्रिवर्गपदवीमले क्षिती नानुगन्तुमधुनाऽपि राजकम् ।
भूयं येन हयमेधयाजना प्रापितायथमज्जनं बभौ ॥
नलमौर्य कदम्बकालरात्रि- स्तनयस्तस्य बभूव कीर्तिवर्मा ।
परदारनिवृत्तचित्तवृत्ते- रपि धीर्यस्य रिपुनियानुकृष्टा ॥
रणपराक्रमलब्धजयश्रिया, सपदि येन विरुग्ण मशेषतः ।
नृपतिगन्धगजेन महौजसा, पृथुकदम्बकदम्बकदम्बकम् ॥

3. यशोधर्मन् के मन्दसौर स्तंभलेख का ऐतिहासिक महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। 18
Explain the historical significance of Yashodharman's Mandsaur column inscription.

अथवा / OR

ऐतिहासिक स
Evaluate th

4. कालक्रम निध
Discuss the

प्राचीन भारती
Describe th

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 6 x 3=18
Write brief notes on any three of the following.

(i) अशोक का प्रथम स्तंभ लेख (दिल्ली टोपरा)
Ashoka's First Pillar Edict (Delhi-Topra)

(ii) समुद्रगुप्त का नालंदा ताम्रपत्र लेख
Samudragupta's Nalanda Copper-plate Inscription

(iii) प्राचीन विश्वास एवं संस्कृति
Ancient Beliefs and Culture